पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

तिमाही-4/वित्तीय वर्ष 20-21

कॉंफ्रेंस कॉल

15जून, 2021

प्रबंधन : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की टीम : -

- श्री आर.एस.ढिल्लों- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
- श्री पी.के.सिंह, - निदेशक (वाणिज्यिक एवं अतिरिक्त प्रभार परियोजना)
- सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक (वित्त)

संचालक : सुश्री श्वेता दप्तरदार - प्रभुदास लीलाधर प्रा.लि.

- **संचालक**

- देवियो और सज्जनो, प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन निवेशक सम्मेलन कॉल में आपका स्वागत है। आपको पुनः याद दिलाया जाता है कि सभी प्रतिभागी लाइनें केवल सुनने के मोड में होंगी, और प्रस्तुति समाप्त होने के बाद आपको प्रश्न पूछने का अवसर मिलेगा। यदि आपको कॉफ्रेंस कॉल के दौरान सहायता की आवश्यकता हो, तो कृपया अपने टच टोन फ़ोन पर * फिर 0 दबाकर किसी ऑपरेटर को संकेत दें। कृपया ध्यान दें कि यह सम्मेलन रिकॉर्ड किया जा रहा है। अब मैं सम्मेलन प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड की सुश्री श्वेता दप्तरदार को सौंपता हूं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद मैडम अब आप संचालन करें ।

- **सुश्री श्वेता दप्तरदार - प्रभुदास लीलाधर प्रा.लि.**

- धन्यवाद आयशा। आप सभी को शुभ संध्या। पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तिमाही 4 वित्तीय वर्ष 21 परिणाम अर्निंग सम्मेलन कॉल में आपका स्वागत है। पीएफसी के वित्तीय कार्य-निष्पादन पर चर्चा करने के लिए, आज हमारे साथ श्री आर एस ढिल्लों, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री पी.के. सिंह, निदेशक वाणिज्यिक और अतिरिक्त प्रभार परियोजना, और सुश्री परमिंदर चोपड़ा, निदेशक वित्त हैं। अब मैं श्री आर.एस. ढिल्लों को उनकी उद्घाटन अभिभाषण के लिए मंच सौंपती हूँ, जिसके बाद हम प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन कर सकते हैं। महोदय, अब आप मंच का संचालन करें।

- **श्री आर.एस.ढिल्लों, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। सभी को शुभ संध्या। मैं इस सम्मेलन कॉल में आप सभी का स्वागत करता हूं। आज हमने मार्च 2021 को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए अपने परिणाम घोषित कर दिए हैं और मैंने इस अवधि के लिए पीएफसी के कार्य-निष्पादन को आपके साथ साझा करने के लिए इस कॉल की व्यवस्था की है। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि पिछला एक वर्ष हम सभी के लिए असाधारण रूप से कठिन रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक और सामाजिक दोनों तरह की कठिनाई हुई है। सभी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि पीएफसी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम रहा है और वित्तीय वर्ष 2021 की सभी चार तिमाहियों में उल्लेखनीय लाभ अर्जित किया है।

- वित्तीय वर्ष 2021 की मुख्य विशेषताएं - इस मंच पर मैं बताना चाहूंगा कि वित्तीय वर्ष 2021 में पीएफसी ने अब तक का सबसे उच्चतम वार्षिक लाभ रु.8444 करोड़ का दर्ज किया है, जिसमें वित्तीय वर्ष 20 की तुलना में 49% की वृद्धि हुई है। अपनी इस वृद्धि के विकास में शेयरधारकों की भूमिका को स्वीकार करते हुए हमें अपनी सफलता उनके साथ साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही हैं। इस बात का प्रमाण 2 रुपए प्रति शेयर के अंतिम लाभांश के संबंध में आज की गई हमारी घोषणा है । इस प्रकार वित्तीय वर्ष 21 में पीएफसी ने रु.10

प्रति शेयर अर्थात यानी 100% का कुल लाभांश दिया है। इसके साथ ही पीएफसी ने शेयरधारकों को असाधारण रिटर्न देने का ट्रेंड जारी रखा है। आगे चुनौतीपूर्ण समय को देखते हुए, इस वर्ष हमारा ध्यान अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने पर रहा है। यह इस इस बात की पुष्टि करता है कि वित्तीय वर्ष 20 से हमारे नेटवर्थ में 16% वृद्धि, हमारे पूंजी स्तर में 180 आधार अंकों से अधिक का सुधार हुआ है और यह देखा जा सकता है कि हमारा वर्तमान सीआरएआर 18.83% है जो विनियमित सीमा से काफी ऊपर है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि वित्तीय वर्ष 21 में पीएफसी ने विद्युत क्षेत्र के नए सिग्मेंटों में अपने ऋणों का विविधीकरण किया। हाल ही में पीएफसी ने भारत सरकार और ब्रिटिश सरकार द्वारा समर्थित मोबिलिटी प्लेटफॉर्म चरण 2 के तहत 700 इलेक्ट्रिक वाहनों को तैनात करने के लिए रु.570 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की है। पी एफ सी ने 1200 मेगावाट के सोलर, विंड, हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए रु.5429 करोड़ का फंड प्रदान किया है । इस प्रकार पीएफसी लगातार विद्युत क्षेत्र में व्यापार के नए रास्ते तलाश रहा है ।

- पीएफ़सी के प्रमुख वित्तीय संकेतक -वित्तीय वर्ष 2021 के लिए मुनाफा 7.58% है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में मुनाफे में थोड़ी गिरावट है लेकिन यह अभी भी हमारी लक्षित सीमा के भीतर है। यह गिरावट ब्याज पर ब्याज की वसूली के कारण निम्न ब्याज और सुप्रीम कोर्ट के आदेश और आरबीआई के निर्देश के अनुरूप अधिस्थगन अवधि के दौरान लगभग 291 करोड़ के विलंबित शुल्क के लगाने के कारण हुई है। वित्तीय वर्ष 21 की दूसरी तिमाही में बाजार के साथ संरेखित करने के लिए पीएफसी ने अपनी ऋण ब्याज दरों को लगभग 25 आधार अंकों, अधिकतम 40 आधार अंकों तक कम कर दिया है। इसलिए इस तरह की कमी का असर मुनाफे पर भी देखने को मिल रहा है। इसके अलावा बाजार में पर्याप्त लिक्विडिटी को देखते हुए, वित्तीय वर्ष 2021 के लिए हमारे फंड की लागत वित्तीय वर्ष 2020 से लगभग 30 आधार अंक घटकर 7.48% हो गई। स्थिर मुनाफे और फंड की लागत में कमी के कारण वित्तीय वर्ष 2020 के लिए स्प्रेड 3.10% और एनआईएम 3.54% है। साथ ही बाजार के परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, इस साल अप्रैल में हमने अपने ऋणकर्ताओं को ब्याज दर का लाभ दिया है और तदनुसार हम एनआईएम के लगभग 3% होने की उम्मीद करते हैं। इसके अलावा मैं यह अपडेट करना चाहूंगा कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने हमारी क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है। यह पीएफसी के मजबूत कारोबार नियमों को दर्शाता है।

- समेकित संख्या की बात करें तो समेकित स्तर पर भी पीएफसी समूह ने शानदार प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष 2021 में पीएफसी समूह की ऋण परिसंपत्ति बही 7 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। इसके साथ ही पीएफसी भारत के विद्युत क्षेत्र में सबसे बड़ा समूह बना हुआ है। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2021 के लिए समेकित पीएटी 15716 करोड़ रुपए है जो वित्तीय वर्ष 20 की तुलना में 66% अधिक है। परिचालन के क्षेत्र में भी, पीएफसी और आरईसी दोनों ही व्यावसायिक तालमेल हासिल करने के लिए अपनी नीतियों और संचालन को संरेखित करने के लिए कड़े प्रयास कर रहे हैं। मुझे यह देखकर खुशी हुई है कि पीएफसी ने महामारी से सफलतापूर्वक सामना किया और शानदार कार्य-निष्पादन किया जो स्पष्ट रूप से पीएफसी की अंतर्निहित शक्ति और आर्थिक हानि को सहने की क्षमता को दर्शाता है।

- अब पीएफसी के ऋण परिसंपत्ति पक्ष की जहां तक बात है, 31 मार्च 2021 तक हमारी कुल ऋण परिसंपत्ति बहि 3,70,771 करोड़ रुपए है। इस संदर्भ में, मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि वित्तीय वर्ष 2021 में हमारे वितरण परिसंपत्ति पोर्टफोलियो में मुख्य रूप से सरकार के आत्मनिर्भर डिस्कॉम पैकेज के तहत संवितरण के कारण काफी वृद्धि हुई है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा और पारंपरिक उत्पादन में ऋण परिसंपत्ति वृद्धि कोविड महामारी के कारण तुलनात्मक रूप से धीमी हो गई। इसके अलावा लगभग इस साल 20000 करोड़ रुपए का असाधारण पूर्व भुगतान किया गया है। यह मुख्य रूप से आत्मनिर्भर डिस्कॉम पैकेज के तहत डिस्कॉम द्वारा उनके बकाया की निकासी के कारण और कुछ एनबीएफसी के नवीकरणीय ऋण परिसंपत्तियों के पुनर्वित्त करने के कारण केंद्रीय और राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों में ऋण के पूर्व भुगतान के कारण है। इसके परिणामस्वरूप 7.5% की ऋण परिसंपत्ति वृद्धि में कमी आई है। इस असाधारण घटना को छोड़कर, पीएफसी ऋण परिसंपत्ति वृद्धि 13% है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था में सुधार होगा, हम नई ऋण परिसंपत्तियों के दोहन के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे। लेकिन जीडीपी संख्या में अपेक्षित मौजूदा कमी और सिस्टम में अधिशेष लिक्विडिटी को देखते हुए, हम वर्तमान स्तरों पर पीएफसी के लिए मामूली वृद्धि की परिकल्पना करते हैं।

- ऋण परिसंपत्ति गुणवत्ता की जहां तक बात है, ऋण परिसंपत्ति पक्ष पर मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आर्थिक मंदी के दौरान भी, पीएफसी ने अपनी लगभग 25% दबाबग्रस्त परिसंपत्ति लेखों का भी सफलतापूर्वक समाधान किया है। 31 मार्च 2020 तक पीएफसी की दबाबग्रस्त परिसंपत्तियाँ रु. 27872 करोड़ थी जो घटकर 21150 करोड़ रुपए हो गई है। पीएफसी ने चार दबावग्रस्त परियोजनाओं में 6844 करोड़ रुपए का समाधान किया है। जो एस्सार ट्रांसमिशन के लिए 438 करोड़ रुपए, सुजलॉन एनर्जी ऋण के लिए 915 करोड़ रुपए, आरकेएम पावर जनरल ऋण के लिए 5105 करोड़ रुपए है और जल शक्ति ऋण के लिए 386 करोड़ रुपए हैं। इन ऋणों के लिए पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध था और पी एंड एल पर हमारा कोई बड़ा प्रभाव नहीं है। इस प्रकार हमारे लक्षित समाधान दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप पिछले 4 वर्षों में एनपीए का स्तर सबसे कम रहा है। वित्तीय वर्ष 2020 में 8.08% की तुलना में सकल एनपीए अनुपात 5.70% है। वित्तीय वर्ष 2020 में 3.80% की तुलना में निवल एनपीए अनुपात 2.09% है। इसके अलावा, हम दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और मैं बताना चाहूँगा कि वर्तमान में रु.2109 करोड़ की दो परियोजनाओं में हम समाधान के अंतिम चरण में हैं और हमें उम्मीद है कि जल्द ही यह समाधान हो जाएगा। ये दो परियोजनाएं हैं - रु.764 करोड़ ऋण वाली झाबुआ पावर। यह एनसीएलटी में समाधान की जा रही 600 मेगावाट की चालू परियोजना है। परियोजना के ऋणदाताओं ने समाधान योजना को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है और इसे अनुमोदन के लिए एनसीएलटी को प्रस्तुत किया जाएगा।

- एस्सार पावर एमपी ऋण 1345 करोड़ रुपए का है और यह 2x600 मेगावाट की चालू परियोजना है जिसका समाधान एनसीएलटी में किया जा रहा है। परियोजना के लिए अंतिम समाधान योजना प्राप्त हो गई है और इस पर ऋणदाताओं द्वारा चर्चा की जा रही है। इन

परियोजनाओं में हो रहे समाधान के साथ, हम भविष्य में एनपीए के स्तर में कमी आने की उम्मीद करते हैं। इसके अलावा, मैं यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि हमारा मानक लेखा बही काफी हद तक बरकरार है। मुख्य रूप से केवल एक ऋणकर्ता अर्थात् रु.161 करोड़ ऋण वाली सिन्नार पावर ट्रांसमिशन की चौथी तिमाही में गिरावट चरण 3 के कारण आई है। प्रावधान की बात करें तो मैं इस बात पर प्रकाश डालना चाहूंगा कि चरण 3 की परिसंपत्तियों के समाधान और उनके अपग्रेडेशन के कारण चरण 3 की परिसंपत्ति के निमित्त प्रावधान में निरपेक्ष रूप से कमी आई है, लेकिन समग्र प्रावधान समान है और कवरेज को 63% पर बनाए रखा गया है। हमें लगता है कि ये प्रावधान स्तर भविष्य के समाधान के लिए पर्याप्त हैं। हमारे ईसीएल मॉडल के आधार पर चरण 1 और चरण 2 के तहत आगे प्रावधान बढ़ाया गया है, जिसे प्रतिष्ठित बाहरी एजेंसियों द्वारा तैयार किया जा रहा है। चरण 1 के तहत जैसा कि हमारी पिछली कॉलों में बताया गया है, वृद्धि मुख्य रूप से श्रेणी बी से श्रेणी सी में रेटिंग के स्थानांतरण के कारण टैंजेडको के निमित्त लगभग 600 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रावधान के निर्माण के परिणामस्वरुप है। चरण 2 के तहत प्रावधान विशेष रूप से समाधान पर चरण 3 परिसंपत्ति के अपग्रेडेशन के कारण बढ़ा, जिसमें 10% प्रावधान को एक विवेकपूर्ण उपाय के रूप में बनाए रखा गया है। इसके अलावा, दो ऋण परिसंपत्तियों में, भले ही हमारी अतिदेय 90 दिनों से अधिक हो, अदालतों द्वारा उनके चरण 3 वर्गीकरण पर रोक के मद्देनजर उन्हें चरण 2 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन ऋण परिसम्पत्तियों पर चरण 3 की परिसंपत्तियों के समान प्रावधान किया गया है और ब्याज आय को केवल नकदी आधार पर बुक किया जा रहा है। इसलिए चरण 2 के प्रावधानों में वृद्धि हुई है। साथ ही सरकारी क्षेत्र के ऋणों में, जिन्हें भुगतान अतिदेय के कारण चरण 2 में वर्गीकृत किया गया है, ईसीएल मॉडल के अनुसार अतिरिक्त प्रावधान बनाया गया है। हालांकि अभी मार्च तक का संपूर्ण बकाया चुका दिया गया है। साथ ही हमारे ईसीएल मॉडल के तहत पीएफसी के पास चरण 1, चरण 2 और चरण 3 परिसंपत्तियों के लिए पर्याप्त प्रावधान बफर है।

- अब इससे पहले कि हम ऋण की बात करें, मैं भारत सरकार आत्मनिर्भर डिस्कॉम योजना की स्थिति पर अपडेट साझा करना चाहूंगा। आत्म निर्भर डिस्कॉम योजना के तहत, अब तक पीएफसी ने 67699 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए और 38089 करोड़ रुपए संवितरित किए। पीएफसी और उसकी सहायक कंपनी आरएफसी के लिए संयुक्त रूप से संस्वीकृतियां रु. 1,34,782 करोड़ और संवितरण 78855 करोड़ है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि संवितरण की गति तेज होगी क्योंकि ट्रांच 2 के लिए संवितरण अभी निर्मोचित किया जाएगा ।

- अब देयताओं की बात करें तो सबसे पहले मैं यह बताना चाहूंगा कि पीएफसी लिक्विडिटी के मामले में अच्छी स्थिति में है। पीएफसी के पास एक वर्ष तक के अपने सभी टाइम बकेट लिक्विडिटी अधिशेष है। इसके अलावा हमने एनबीएफसी के लिए आरबीआई लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क को अपनाया है, जिसमें 1 दिसंबर 2020 से, एनबीएफसी को न्यूनतम निर्धारित लिक्विडिटी कवरेज अनुपात बनाए रखना आवश्यक है जिसे दिसंबर 2024 तक धीरे-धीरे 100% के स्तर तक बढ़ाया जाना है। वर्तमान में पीएफसी लिक्विडिटी कवरेज अनुपात 50% की नियामक सीमा के भीतर है। जैसा कि स्पष्ट है कि पीएफसी अपने लिक्विडिटी प्रोफाइल के प्रबंधन के लिए सक्रिय रूप से प्रतिबद्ध है।

- ऋण पोर्टफोलियो की जहां तक बात है, पीएफसी का निरंतर प्रयास अपने ऋण पोर्टफोलियो में विविधता लाने का रहा है। इस दिशा में वित्तीय वर्ष 21 के दौरान, पीएफसी ने खुदरा बॉण्ड बाजार में कदम रखा और सफलतापूर्वक कर योग्य बॉण्डों के सार्वजनिक निर्गमन के माध्यम से 4429 करोड़ रुपए अर्जित किए । इसके अलावा, हमारी विविधीकरण कार्यनीति के उस हिस्से के रूप में, हमने विदेशी बाजारों से 900 मिलियन अमरीकी डालर भी जुटाए जो बाजार विविधीकरण को प्राप्त करने में मदद करता है। मैं फिर से बताना चाहूँगा कि पीएफसी वित्तपोषण के नए अवसरों को तलाशने और अपनी वित्तपोषण आवश्यकता के लिए नए निवेशक आधार का दोहन करने पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देता रहेगा। इसके अलावा मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि महामारी के दौरान भी, पीएफसी को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार से निधि जुटाने में कोई चुनौती नहीं मिली। यह पीएफसी के कारोबार और इसकी क्रेडिट प्रोफाइल में बाजार के भरोसे को दर्शाता है। इसके अलावा आप सभी शायद जानते होंगे कि महामारी ने विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत अधिक अस्थिरता पैदा कर दी है। इसलिए पीएफसी के विदेशी मुद्रा ऋण पोर्टफोलियो से जुड़े जोखिम पर विचार करते हुए, हम अपनी विदेशी मुद्रा स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। तदनुसार वित्तीय वर्ष 2021 में पीएफसी ने अपने विनिमय जोखिम बचाव अनुपात को वित्तीय वर्ष 2020 में 66% से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2021 में 86% कर दिया। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के लिए 100% विनिमय जोखिम में 5 साल तक की अवशिष्ट परिपक्वता वाले ऋणों को कवर किया गया है। हमारा मानना है कि पीएफसी की बॉटम लाइन किसी भी विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से पर्याप्त रूप से सुरक्षित है।

- आगे की राह : समापन करने से पहले मैं कारोबार को आगे बढ़ाने की कार्यनीति पर अपने विचार साझा करना चाहता हूँ। इसको ध्यान में रखते हुए सरकार का ध्यान नवीकरणीय और हरित ऊर्जा पर है। पीएफ़सी हरित ऊर्जा की परियोजनाओं को फंड देना जारी रखेगा । इसके साथ ही पीएफसी ई-मोबिलिटी क्षेत्र में उभरते अवसरों का दोहन कर रहा है। इसके अलावा भारत सरकार का एक कार्यनीतिक भागीदार होने के नाते पीएफसी सरकारी सुधार योजनाओं जैसे कि 3 ट्रिलियन रुपए के विद्युत सुधार पैकेज आत्म निर्भर डिस्कॉम योजना आदि की तरह विद्युत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वित्तीय भागीदार होगा। इस प्रकार हम मानते हैं कि पीएफसी के पास भविष्य में भी पर्याप्त व्यावसायिक अवसर हैं। अंत में मैं यह कहना चाहूंगा कि 3 दशकों से अधिक समय से पीएफसी नियमित रूप से मजबूत वित्तीय कार्य-निष्पादन कर रहा है। हमें विश्वास है कि हमारे केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पीएफसी उच्च राजस्व दर्ज करना जारी रखेगा और हमारे शेयरधारकों के लिए शानदार परिणाम देगा। धन्यवाद।

- और अब आप सवाल कर सकते हैं।

- **संचालक -**

- आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अब हम प्रश्नोत्तर सत्र शुरू करेंगे। जो कोई भी प्रश्न पूछना चाहता है वह अपने टच टोन टेलीफोन पर * और 1 दबा सकता है। यदि आप स्वयं को प्रश्न कतार से हटाना चाहते हैं, तो आप * और 2 दबा सकते हैं। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे

प्रश्न पूछते समय हैंडसेट का उपयोग करें। देवियो और सज्जनो, हम एक मिनट के लिए प्रतीक्षा करेंगे जब तक कि प्रश्न कतार इकट्ठी न हो जाए। पहला प्रश्न एलारा कैपिटल से माहरुख अदजानिया की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा केपिटल**
- नमस्कार महोदय, आपकी विस्तृत टिप्पणियों के लिए धन्यवाद। सर वास्तव में दो नाम छूट गए। आपने चार लेखों के नाम बताए थे जिनका समाधान ति.4 में किया गया था। वे दो आरकेएम और जल पावर थे। पहले दो क्या हैं और उनकी राशियाँ क्या हैं?
- **श्री आर.एस.ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- ये एस्सार ट्रांसमिशन 438 और सुजलॉन एनर्जी 951 ऋण थे।
- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा केपिटल**
- ठीक है महोदय। और सर इन चारों में से किसी में कोई रिकवरी हुई है? आपने कहा कि प्रावधान पर्याप्त थे। लेकिन क्या कोई रिकवरी हुई या...?
- **श्री आर.एस.ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- हां, हम करीब 45 से 65% के दायरे में रिकवर करने में सफल रहे।
- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा केपिटल**
- ठीक है और इसके लिए वे पूरी तरह से उपलब्ध नहीं कराए गए थे?
- **श्री आर.एस.ढिल्लों -अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- नहीं, वे पूरी तरह से उपलब्ध कराए गए थे।
- **सुश्री महरुख अदजानिया - एलारा केपिटल**
- पूरी तरह से उपलब्ध कराए गए थे - ठीक है सर। झाबुआ और एस्सार एमपी के अलावा क्या कोई अन्य प्रस्ताव पाइपलाइन में हैं? ये तुरंत हो सकते हैं लेकिन कोई अन्य जो अधिक समय लेगा लेकिन क्या फिर भी 12 से 15 महीने लग जाएंगे?
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- इसलिए मुझे लगता है कि चालू वर्ष के दौरान हम डैन्स एनर्जी और शिगा एनर्जी का भी समाधान करने में सक्षम होंगे। ये जलविद्युत परियोजनाएं सिक्किम में हैं।
- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**
- दूसरा वाला कौन सा है सर?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- शिगा। शिगा एनर्जी।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**

- ठीक।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं तो हमारी परियोजनाएं एनसीएलटी में विभिन्न चरणों में हैं। और कोविड के कारण धीमी गति से प्रगति हो रही है। इसलिए हम आशा करते हैं कि इनका भी समाधान हो जाएगा।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**

- क्या कोई बड़ी या प्रमुख परियोजना है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- वहाँ पर लैंको अमरकंटक परियोजना जहां दो इकाइयां काम कर रही हैं और दो लगभग 74% पूरी हो चुकी हैं। तो यह उनमें से एक है। यहां तीन इकाइयां चालू हो चुकी हैं और चौथी निर्माणाधीन है।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**

- ठीक है सर बहुत बहुत धन्यवाद। शुक्रिया।

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपका धन्यवाद। अगला प्रश्न एसबीआई म्यूचुअल फंड से हार्दिक शाह की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री हार्दिक शाह - एसबीआई म्यूचुअल फंड**

- महोदय, क्या आप हमें चालू वर्ष के लिए अपनी ऋण योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन कर सकते हैं?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- यह करीब रु.1 लाख करोड़ होगा।

- **श्री हार्दिक शाह - एसबीआई म्यूचुअल फंड**

- क्या अब तक आपने जो भी ऋण लिया है यह उसके अतिरिक्त है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं, यह कुल मिलाकर वर्ष के लिए है।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हमारे निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित वर्ष के लिए 1 लाख करोड़ है।

- **श्री हार्दिक शाह - एसबीआई म्यूचुअल फंड**

- अभी तक आपने कितना अनुमोदित किया है?

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अब तक हमने 54 ईसी के तहत छोटे ऋण को छोड़कर कुछ नहीं किया है।

- **श्री हार्दिक शाह - एसबीआई म्यूचुअल फंड**

- ठीक। बहुत अच्छा है। धन्यवाद।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। प्रतिभागियों का पुनः बताया जाता है। जो कोई भी प्रश्न पूछना चाहते हैं वह अभी * और 1 दबा सकते हैं। अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से कुणाल शाह की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- हाँ सर, पूरे एक साल के वित्तीय कार्य-निष्पादन के लिए बधाई। तो सबसे पहले दिए गए मार्जिन के संदर्भ में कि हमने बोर्ड में दरों को काफी हद तक संशोधित किया है, महोदय, हमें पुनर्मूल्यांकन के मामले में कैसी आशा करनी चाहिए क्योंकि हमने इसे 3 साल के रीसेट से 1 साल के रीसेट के लिए भी संशोधित किया है। तो आगे आय या व्यवहार के संदर्भ में हमें क्या आशा करनी चाहिए? और यह वृद्धिशील ऋणों पर अधिक होगा। यह मौजूदा ऋणों के लिए भी होगा। तो अगर आप हमें अगले 1 या 2 वर्षों में यह समझाने में मदद कर सकते हैं कि दरों में संशोधन के साथ यह संपूर्ण पुनर्मूल्यांकन कैसे चलेगा।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- संकेत दिया गया है कि हमने इस साल अप्रैल 2021 में अपनी ऋण दरों को संशोधित किया है। और यह दरें नए ऋण के लिए होंगी। और मौजूदा ऋण के लिए जब भी कोई रीसेट होगा तो उसका पुनर्मूल्यन किया जाएगा। इसलिए आमतौर पर हमारे पास 3 साल के रीसेट में एक बड़े घटक के साथ ऋण होता है, इसलिए इन्हें 3 वर्षों में पुनर्मूल्यांकन किया जाएगा। और हम ऋणकर्ता को एक विकल्प देने के बारे में भी सोच रहे हैं कि यदि वह इसे अग्रिम रूप से प्राप्त करना चाहता है तो हम ऋणकर्ता को कुछ प्रतिशत के साथ लाभ साझा करने की सोच रहे हैं। इसलिए आगे चलकर इन ऋणों का पुनर्मूल्यन किया जाएगा और वर्तमान एनआईएम जो लगभग 3.5% है, हम उम्मीद कर रहे हैं कि यह घटकर लगभग 3 से 3.25% हो जाएगा।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक। लेकिन अनुपात शायद 3 साल के रीसेट के साथ अगले 1 साल में, परिपक्वता के लिए किस तरह का घटक आ सकता है? और मुझे लगता है कि अभी भी दर में कटौती की तुलना में हम मार्जिन पर इतना दबाव नहीं देख रहे हैं। इसमें थोड़ा वक्त लगेगा। कम से कम आय के रुप में प्रतिबिंबित होने में कम से कम 2 से 3 साल लगेंगे।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अतः यह देखते हुए कि 3 साल का रीसेट अगले 3 वर्षों में वितरित किया जाता है, इसलिए ऋण पोर्टफोलियो का एक तिहाई है।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक। तो मोटे तौर पर इस वित्तीय वर्ष के लिए एक तिहाई हो सकता है और इसे संशोधित किया जा सकता है ...

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- यह संख्या प्रतिशत में है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- यकीनन। और दूसरा प्रावधान के संदर्भ में, तो तिमाही के दौरान मौजूदा परियोजनाओं के संदर्भ में, हमने किसी विशेष परियोजना के लिए प्रावधान कवरेज कैसे बढ़ाया है? हो सकता है कि 2-3 परियोजनाएं जिनमें आपने कवरेज बढ़ाया होगा क्योंकि समाधानों में देरी हो रही है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो क्या इस प्रश्न का उत्तर मैं दूँगा या - परमिंदर मैम आप...।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ज़रूर।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- इस तिमाही में वर्तमान संवितरण की बात करें तो उसे चरण एक के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। और ईसीएल मॉडल के अनुसार हम प्रावधान कर रहे हैं। अगर हम परियोजनाओं सहित कुल के बारे में बात करें जैसे सर ने आपको बताया है, वहाँ हमने प्रावधान में वृद्धि की है जो कि चरण एक के तहत आ रहा है, हमारे पास चरण एक परिसंपत्ति के तहत औसतन 0.40% का प्रावधान है।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- हाँ, तो चरण 1 तिमाही दर तिमाही में स्थिर रहा है। मैं सिर्फ चरण 3 के संदर्भ में पूछ रहा था, अतिरिक्त 500 विषम करोड़ जो इस विशेष तिमाही में किए गए हैं। तो वे वास्तव में किन परियोजनाओं से संबंधित हैं और क्या यह ऐसा होगा जैसे हम जिन प्रस्तावों को देख रहे हैं उनमें देरी हो रही है? यह प्रावधान के संदर्भ में पर्याप्त रूप से कवर किया गया है।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- जैसा सर ने कहा है, चरण 3 की परिसंपत्ति में वृद्धि हुई है। पहला हमसे एक नई परिसंपत्ति सिन्नार ट्रांसमिशन लाइन जुड़ी है। इसके अलावा हमने सिन्नार थर्मल पावर जैसे कुछ ऋणों में भी प्रावधान बढ़ाया है। हमने प्रावधान राशि बढ़ा दी है। इसके अलावा लैंको और साउथ ईस्ट में भी बढ़ोतरी हुई है। चूंकि एनसीएलटी प्रक्रिया में देरी हुई है, इसलिए उसके आधार पर हमारे ईसीएल मॉडल के अनुसार अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक है सर। और किसका समाधान हो गया है क्योंकि इसके जुड़ने के बाद लगभग 200 करोड़ की पूर्ण गिरावट आई है। तो क्या इसका समाधान हो जाएगा या कुछ अन्य परिसंपत्तियां होंगी जिन्हें चरण 3 से अपग्रेड किया गया है?

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- देखिए चौथी तिमाही के लिए सिर्फ जल पावर ही है जिसे अपग्रेड किया गया है।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- केवल जल पावर?

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक है, और अंतिम प्रश्न लाभांश नीति के संदर्भ में, तो इस बार हमने लगभग 30% का भुगतान देखा है, अंतिम लाभांश अंतरिम से अधिक था। तो क्या हम 30% भुगतान या नेटवर्थ का 5% जो भी अधिक हो, के दिशा-निर्देशों का पालन करते रहेंगे? हमें वास्तव में आगे चलकर क्या आशा करनी चाहिए?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- आगे नहीं, हम नेटवर्थ के 5% और उसके 30% के डीपी दिशानिर्देशों को पूरा करने का भी प्रयास करते हैं।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ और किसी विचलन के मामले में या किन्हीं कारणों से यदि हम उसका पालन नहीं कर सकते हैं, तो हमें विशिष्ट अनुमोदन प्राप्त करना होगा। हम उसके लिए आवेदन कर सकते हैं और डीपी से वह अनुमोदन प्राप्त कर सकते हैं।

- **श्री कुणाल शाह - आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज**

- ठीक है, सर। बहुत-बहुत धन्यवाद। हाँ।

- **संचालक**

- धन्यवाद।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- धन्यवाद।

- **संचालक**

- अगला प्रश्न एसबीआई लाइफ से शुभ्रा त्रिवेदी की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**

- हाँ, मेरा प्रश्न लेने के लिए धन्यवाद। तो पहली बात यह है कि जब आपने कहा कि राज्य सरकार के क्षेत्र में कुछ लेखे हैं जो चरण 2 में चले गए हैं और मार्च तक सभी अतिदेय को समाशोधित कर दिया गया है, क्या आप इस पर थोड़ा और प्रकाश डाल सकते हैं। जैसे ये कौन से लेखे हैं? वे चरण 2 में कब चले गए थे? और मार्च तक क्या वे पूरी तरह से शून्य अतिदेय हैं?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो राज्य क्षेत्र में, कभी-कभी भुगतान करने में देरी होती है क्योंकि राज्य जेनको लिक्विडिटी पैकेज के तहत कवर नहीं किए गए थे। ऐसे में उन्हें भुगतान में समस्या हो रही है। जैसे राजस्थान और एपी में हमारे पास कुछ मुद्दे थे । चूँकि अंततः उन्हें 90

दिनों की सीमा के भीतर भुगतान किया जाता है और जैसा संकेत दिया गया है कि मार्च में बहुत अधिक बकाया नहीं था।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- राज्य क्षेत्र ऋण के संदर्भ में 31 मार्च 2021 तक, जो भी चरण-2 में था उस बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है।
- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**
- मतलब वे अभी भी चरण 2 में हैं या भुगतान के बाद अब वे चरण 1 में चले गए हैं?
- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- देखिए, हम बात कर रहे हैं 31 मार्च की बकाया राशि की जिन्हें, उनके द्वारा चुका दिया गया है।
- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**
- ठीक है, सर। और दूसरा सवाल वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान जुटाई गई निधियों पर था और इसमें से कितना बॉण्ड के माध्यम से था?
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- हमारी डी एफ इसका जवाब देंगीं।
- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- देखिए हमने बॉण्ड से लगभग 41000 करोड़ रुपए जुटाए हैं।
- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**
- और कुल?
- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- कुल निधियाँ। हमने 81052 करोड़ रुपए जुटाए हैं, जिसमें से लगभग 50% निजी प्लेसमेंट प्रस्तावों के माध्यम से जुटाए गए थे। और 4429 करोड़ के बॉण्ड का सार्वजनिक निर्गम भी किया है।
- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**
- ठीक। तो 81000 बॉण्ड, बैंक ऋण शामिल हैं, सब कुछ एक साथ क्या यही बात है? विदेशी मुद्रा ऋण भी?
- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- ठीक सर।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- यह कुल ऋण था।

- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**

- ठीक है, सर। और स्लिपेज का जिक्र आपने सिर्फ एक लेखे में किया जो 160 करोड़ का था, यही एक मात्र लेखा था जो पूरे वर्ष में स्लिप हो गया या और भी हैं?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं, यह तिमाही 4 में था। यह जल पावर परियोजना चौथी तिमाही में थी। क्षमा करें। सिन्नार, सिन्नार ट्रांसमिशन तिमाही 4 में था।

- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**

- और वर्ष के दौरान कुल मिलाकर स्लिपेज क्या थी?

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- मुझे नहीं लगता कि चरण 3 में वर्ष के दौरान हमारे पास कोई अन्य स्लिपेज है।

- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**

- ठीक है। मेरी तरफ से बस एक आखिरी सवाल। तो सरकारी क्षेत्र से क्या आप आज तक के बकाया चरण 2 की संख्या बता सकते हैं।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- वह अपफ्रंट आंकड़ा वहां नहीं है। तो हम इसे चरण 1 के साथ जोड़ते हैं। यदि आप चाहें तो हम उत्तर दे सकते हैं - हम इसे आपको मेल कर सकते हैं और हम उत्तर भी दे सकते हैं।
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- अलग से हम भेज सकते हैं ...

- **श्री शुभ्रा त्रिवेदी - एसबीआई लाइफ**

- यकीनन। बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**
- धन्यवाद। प्रतिभागियों से अनुरोध है कि कृपया प्रतिभागी केवल दो ही प्रश्न पूछें। अगला प्रश्न कोटक सिक्योरिटीज से महेश एमबी की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री महेश एमबी - कोटक सिक्योरिटीज**

- सर सिर्फ दो सवाल। पहला एस्सार एमपी समाधान पर है कि आप किस तरह की ऋण वसूली दर की आशा कर रहे हैं?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो यह एनसीएलटी के अधीन है और ऋणदाता इस पर विचार कर रहे हैं। तो यह लगभग 45 से 50% होगा।

- **श्री महेश एमबी - कोटक सिक्योरिटीज**

- ठीक। और दूसरा प्रश्न सर कैपेक्स पर है, जो उपलब्ध है, जैसा कि आपने उल्लेख किया है, लैंको, अमरकंटक, क्या ये परिसंपत्तियां वर्तमान में चालू हैं? और आप इन्हें कैसे देखते हैं - ये कौन हैं - आज आप बाजार में खरीदारों को कैसे देखते हैं? क्योंकि स्टील के विपरीत हम थर्मल प्लांट के लिए बहुत अधिक खरीदारों के बारे में नहीं सुनते हैं। इस पर आपका क्या आकलन है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- इन परियोजनाओं में लैंको-अमरकंटक की चार इकाइयां हैं। 300 मेगावाट के दो और 660 मेगावाट के दो। 300 मेगावाट चालू है और उनका लगभग 300 करोड़ का ईबीआईटीडीए है। आपने सही कहा है कि इन परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले बहुत कम हैं और आप पहले से ही नाम जानते हैं। इसलिए इन परियोजनाओं के लिए सीमित संख्या में बोली लगाने वाले हैं।

- **श्री महेश एमबी - कोटक सिक्योरिटीज**

- क्षमा करें प्रश्न यह है कि क्या केएसके या लैंको, यदि आप लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर पाते हैं तो संगठन क्या दृष्टिकोण अपनाएगा। क्या आप ऐसी स्थिति देखते हैं जहां आप इन परिसंपत्तियों को वर्तमान स्टैंडअलोन इकाइयों के रूप में संचालित कर सकते हैं? या आपको परिसमापन को ही एकमात्र विकल्प के रूप में देखना होगा?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो ये एनसीएलटी के तहत हैं और अगर हमें अच्छी वैल्यू मिलती है तो हम इसे आगे बढ़ाएंगे। अन्यथा आपने जो सुझाव दिया है हम उस पर विचार करेंगे।

- **श्री महेश एमबी - कोटक सिक्योरिटीज**

- ठीक है, धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न एमके ग्लोबल से जिग्नेश शियाल की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **मिस्टर जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**

- हाँ, धन्यवाद और बहुत अच्छे आंकड़ों के लिए बधाई। बस इसकी पुष्टि करना चाह रहा हूँ कि आपके 86 प्रतिशत विदेशी मुद्रा ऋण को 5 वर्षों के भीतर कवर किया गया है, है ना? क्या मैंने सही समझा है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- सही।

- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**

- और 5 साल से अधिक के बारे में क्या है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- जो आंशिक रूप से कवर हैं और...

- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**

- ठीक है, क्या आप बता सकते हैं कि 5 साल में कितना कवर किया जाएगा? क्या 5 वर्ष से कम और 5 वर्ष से अधिक के बीच वर्गीकरण संभव है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हमारी कार्यनीति यह है कि शून्य से उन 5 वर्षों के भीतर हमें उस इश्यू को हेज करने का समय मिल जाता है अन्यथा हम इसे सामान्य रूप से खोलते हैं यदि हम 10 वर्ष के बात करें तो हम इसे सामान्य तौर पर 5 से 10 वर्षों के लिए खोल रहे हैं।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा**

- देखें यदि आप स्वैप संरचना के बारे में पूछते हैं तो 10 वर्षों में हमें उतनी लिक्विड संरचनाएं नहीं मिल रही हैं और हम इन देयताओं को कवर करने के लिए एक अच्छा प्राइसिंग प्रीमियम प्राप्त कर सकते हैं। तो जैसा कि सर ने कहा है कि मुख्यतः नीति या आप कह सकते हैं कि एक रुप से कार्य-पद्धति को हम 5 साल तक खुला रखते हैं। एक बार 5 साल पूरा हो जाने पर जब वे 5 साल के अंदर आ जाते हैं तो हम इसे धीरे-धीरे कवर करने की कोशिश करते हैं।

- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**

- ठीक है महोदय। और कुल देयताओं में से, जो हमारे पास है, क्या यह मान लेना उचित है कि इसका बड़ा हिस्सा 5 साल के भीतर परिपक्व हो जाएगा? या वर्गीकरण बराबर होगा या 5 साल से अधिक के लिए होगा?
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- आप कह सकते हैं लगभग बराबर।
- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**
- तो आपकी 50% देयताओं को 5 साल के भीतर होना चाहिए और जहाँ भी विदेशी मुद्रा जोखिम रहा हो, उसमें से 86% उस तरीके से पहले ही कवर किया जाएगा।
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- सही।
- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**
- सही? और दूसरी बात जैसा कि आपने कहा, वह झाबुआ है जिसे कवर किया जाना है और आपने एक और नाम बताया है। क्या वह एस्सार था?
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- एस्सार एमपी, एस्सार महान।
- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**
- एस्सार महान. अगर मैं सही हूं तो आप कहां से 40 से 50% रिकवरी की उम्मीद कर रहे हैं?
- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**
- 45 से 50%।
- **श्री जिग्नेश शियाल - एमके ग्लोबल**
- 45 से 50%। बिल्कुल सही सर। बहुत-बहुत धन्यवाद और शुभकामनाएं। मैं पुनः प्रश्न पूछूंगा। धन्यवाद सर।
- **संचालक**
- आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न बी एंड के सिक्योरिटीज के संकेत छेड़ा की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।
- **श्री संकेत छेड़ा - बी एंड के सिक्योरिटीज**
- हाँ सर। क्या आप मुझे सुन सकते हैं?

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ।

- **श्री संकेत छेड़ा - बी एंड के सिक्योरिटीज**

- महोदय, मेरा प्रश्न एमबीईडी पर था, बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण जिसकी घोषणा केंद्र सरकार के मंत्रालय ने कुछ दिन पहले की थी, जो शायद एक तरह से डिस्कॉम को एक अनुकूलित लागत पर विद्युत की खरीद में मदद करेगा। तो आप इसे हाल ही में डिस्कॉम में किए गए निवेश के साथ कैसे देखते हैं? तो क्या हम डिस्कॉम के लिए संरचनात्मक रूप से बदलाव की ओर बढ़ रहे हैं? और क्या हम कोई अन्य गुणवत्ता हेडविंड नहीं देख रहे हैं, क्या यही डिस्कॉम की चिंता का विषय है? पहला प्रश्न इस पर। और दूसरा लाभांश पर। पिछले साल हमने लगभग इतनी ही राशि रु. 9.5 के लाभांश का भुगतान किया और साथ ही आरईसी से यह 11 रुपए था। इस वर्ष लाभ क्रेडिट लागत गतिविधियों के कारण पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अधिक रहा है और मार्जिन भी काफी स्थिर रहा है। तो लाभांश को समान स्तर पर सीमित क्यों किया गया? तो मेरे ये दो प्रश्न थे।

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- पहले बात आती है, बाजार आधारित आर्थिक प्रेषण की, तो वर्तमान में मुझे लगता है कि ये राज्य स्तरीय योग्यता प्रेषित हो रही हैं। इसलिए राज्य में जहां कहीं उनका पीपीए है, वहां न्यूनतम परिवर्तनीय लागत वाला प्लांट का प्रेषण किया जा रहा है। अतः यह राज्य के लिए दक्षता प्रदान करता है। लेकिन अब जो प्रस्तावित किया जा रहा है वह राष्ट्रीय स्तर पर है। इसलिए सबसे सस्ती बिजली देश में कहीं से भी मंगवाई जा सकती है और वह भी जब उनके पास पीपीए नहीं है, तो इससे डिस्कॉम के लिए खरीद लागत कम हो जाएगी, और यह एक जीत की स्थिति होगी क्योंकि दक्षता सर्वोपरि महत्व वाला पैरामीटर होगा। और कुशल प्लांट का और अधिक प्रेषण किया जाएगा और डिस्कॉम को बिजली की कम लागत मिलेगी। तो यह एक अच्छी बात है जो हो रही है । मुझे लगता है और मेरा मानना है कि एनटीपीसी प्लांट पहले से ही एक पायलट परियोजना के रूप में इसके अधीन हैं जो चल रहा है। तो यह समग्र रूप से डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति के लिए एक सकारात्मक बात होगी। और दूसरा प्रश्न लाभांश के संबंध में है, तो हमने लगभग उसी स्तर का भुगतान किया है जैसा आपने संकेत दिया था, लेकिन यह पूंजी स्तरों पर आधारित था जो हमारे पास है। इसलिए हमें हमारे कारोबार की वृद्धि और साथ ही विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव को भी देखना होगा। तो ये और प्रावधान। इसलिए हमें उसके संबंध में विचार करना होगा और डीपी दिशानिर्देशों के आधार पर हमने इस वर्ष भी लाभांश प्रदान किया है।

- **श्री संकेत छेड़ा - बी एंड के सिक्योरिटीज**

- तो महोदय, इस वर्ष को छोड़कर जहां वृद्धि अपेक्षाकृत अधिक थी, क्या हम अगले 2 वर्षों में उच्च पृद्धि जारी रहने की उम्मीद करते हैं? मुझे लगता है कि वित्तीय वर्ष 2022 में जब हम आगे बढ़ेंगे तो वृद्धि की गति मंद होने की संभावना होगी।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- पिछले साल कोविड था और परियोजनाओं का कार्यान्वयन धीमा था। लेकिन हमें यह लिक्विडिटी इन्फ्यूजन योजना मिली और हम डिस्कॉम को उनके जेनको बकाया ऋणों को चुकाने के लिए संवितरण करने में सक्षम थे। तो ट्रांच 2 में कुछ संवितरण इस वर्ष भी होगा। और हमारा मानना है कि चालू वर्ष के दौरान नवीकरणीय विशेष रूप से नवीकरणीय परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी। और हमारे पास आगे बढ़ने के लिए उचित वृद्धि होनी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आपको उत्तर मिल गया है।

- **श्री संकेत छेड़ा - बी एंड के सिक्योरिटीज**

- ठीक है सर। धन्यवाद। हां

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न दाइवा कैपिटल मार्केट्स से पुनीत श्रीवास्तव की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल मार्केट्स**

- शुभ संध्या। तो मेरा पहला सवाल इस पुनर्भुगतान पर है जो इस 200 बिलियन अर्थात् लगभग 20000 करोड़ पर होता है। इस तिमाही 4 के दौरान यह कितना था और पिछली तिमाही में यह कितना था?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो अधिकतर तीसरी और चौथी तिमाही में हुआ। जैसा कि मैंने लिक्विडिटी पैकेज की वजह से संकेत दिया था, सामान्य क्षेत्र के जेनको ने अपना बकाया चुका दिया ताकि वे अपने ऋण चुकाने की स्थिति में हों। और कुछ नवीकरणीय परिसंपत्तियां में भी, कुछ पूर्व भुगतान हुआ था। लेकिन यह तुलना में कम था ...

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल मार्केट्स**

- हाँ तो मेरा सवाल था कि लिक्विडिटी के कारण होने वाले इस पूर्व भुगतान के अलावा, क्या ऐसे अन्य कारण थे जिनके कारण कुछ नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए भी प्रीपेड मिला? और आप पूर्व भुगतान के मामले में वित्तीय वर्ष 22 की क्या संभावना कर रहे हैं? और उस संबंध में आपने यह भी उल्लेख किया है कि ऋण वृद्धि मौजूदा स्तर से थोड़ी अधिक होगी जो पहले से ही 7.5 पर बहुत कम है। तो क्या आप उम्मीद करते हैं कि वित्तीय वर्ष 22 में यह दोहरे अंकों में पहुँच जाएगा?

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हम इस साल अच्छी वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि मैंने लिक्विडिटी पैकेज योजना को इस साल होने वाले कुछ संवितरण और नवीकरणीय परियोजनाओं के पुनरुद्धार का संकेत दिया था। पहला प्रश्न क्या था? हां, जैसा कि हमने संकेत दिया था कि हमने अपनी ब्याज दरों में संशोधन किया है और ये बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धी हैं। और आगे चलकर हम मानते हैं कि राज्य क्षेत्र की परियोजनाएं हमें पूर्व भुगतान नहीं कर सकती हैं। और इसी उम्मीद के साथ हमने ब्याज दरों में कमी की थी।

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ पूर्व भुगतान का पहला मुख्य कारण जेनको के साथ आत्मनिर्भर योजना के तहत उपलब्ध लिक्विडिटी और दूसरा कारण बैंकों के पास पर्याप्त लिक्विडिटी था। इसलिए कुछ मामलों में बैंकों ने उन ऋणों को पुनर्वित्तपोषण किया है जिनका सर जिक्र कर रहे हैं। और चूंकि हमने अपनी ब्याज दरें कम कर दी हैं, इसलिए हम उम्मीद कर रहे हैं कि आगे कोई बड़ा पूर्व भुगतान नहीं होगा।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल मार्केट्स**

- ठीक है महोदया। मेरा सवाल भी इस 20000 करोड़ के लिए था कि लिक्विडिटी स्कीम के कारण कितना बकाया आ रहा था और उसमें कितना बाकी है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- उसके लिए हमारे पास सटीक आँकड़े नहीं होंगे लेकिन....

- **सुश्री परमिंदर चोपड़ा - निदेशक वित्त, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- बहुत मुश्किल है....

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- राज्य क्षेत्र के लिए इसे तिमाही 3 और तिमाही 4 के बीच बाँटा गया था।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल मार्केट्स**

- सही सर। महोदय, इस मार्जिन के लिए आपने उल्लेख किया है कि इसे लगभग 3% के स्तर पर आना चाहिए। तो इस संबंध में क्या आप वित्तीय वर्ष 22 में कुछ ऐसी उम्मीद कर रहे हैं? या आप मध्यावधि में अधिक उम्मीद कर रहे हैं? जैसे कि आप वित्तीय वर्ष 22 में आगे के वर्षों में मार्जिन की कैसी संभावना कर रहे हैं?

- **श्री आरएस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- मध्यावधि में हम उम्मीद करते हैं कि यह रेंज 3 से 3.25 के बीच बनी रहेगी। और पिछले साल यह थोड़ा अधिक था।

- **श्री पुनीत श्रीवास्तव - दाइवा कैपिटल मार्केट्स**

- ठीक है सर धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। अगला प्रश्न सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स के विपुल शाह की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- नमस्कार। मेरा प्रश्न इस संकल्प के संबंध में था। तो वह स्लाइड नंबर 18 है। मुझे लगता है कि इन चारों लेखों के लिए प्रावधान के अलावा ऋण वसूली का स्तर क्या है?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो ऐसा ही है।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- नमस्ते?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नमस्ते?

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- जी सर।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- तो आप स्लाइड का जिक्र कर रहे हैं?

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- हाँ 18. वित्तीय वर्ष 21 के दौरान रु. 6844 करोड़ की चार परियोजनाओं का समाधान किया गया। मेरा प्रश्न यह है कि इन चार परियोजनाओं के प्रावधान के अतिरिक्त ऋण वसूली का स्तर क्या है?

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- वसूली लगभग प्रावधान के समान थी। मुझे लगता है कि कुछ परियोजनाओं में प्रावधान थोड़ा अधिक था। जहाँ तक मैं समझता हूँ.....

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- तो कोई खास वसूली नहीं हुई?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं पर्याप्त वसूली नहीं हुई। हमने उच्च स्तर पर प्रावधान किया था। इसलिए जैसाकि मैंने बताया लगभग 45 से 60% तक वसूली हुई थी और स्वाभाविक रूप से एस्सार ट्रांसमिशन में, हमारे पास 100% मूलधन की वसूली थी। यह एक औसत आंकड़ा था जो - मैंने इंगित किया है।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- हाँ यह कुछ परियोजनाओं में अधिक था और कुछ में कम। ठीक है सर। और मेरा दूसरा सवाल यह है कि जब आप वितरण कंपनियों को ऋण देते हैं तो आपका कोलेटरल क्या है?

- **श्री आर.एस. ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- इस लिक्विडीटी पैकेज योजना में हमें सरकारी गारंटी प्राप्त हुई।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- नहीं, लेकिन आमतौर पर जब आप किसी वितरण कंपनी को ऋण देते हैं तो आपका कोलेटरल क्या होता है? मेरा प्रश्न यह है...

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हमारे पास एक पॉलिसी मूलधन सिक्योरिटी की है। हम परिसंपत्ति या राज्य सरकार की गारंटी पर प्रभार लेते हैं। और इन दोनों मामलों में एस्क्रो खाता भी है।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- ठीक है, तो आप वितरण कंपनियों को एस्क्रो या चरणबद्ध सरकारी गारंटी के बिना ऋण नहीं देते हैं।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- हाँ हमारे पास यही सिक्योरिटी है।

- **श्री विपुल शाह - सुमंगल इन्वेस्टमेंट्स**

- ठीक है सर धन्यवाद और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न एलारा कैपिटल से माहरुख अदजानिया की ओर से है। कृपया प्रश्न पूछें।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**

- नमस्ते सर। महोदय, मेरा एक अनुवर्ती प्रश्न था। सर क्या आप ललितपुर पावर की स्थिति जानते हैं? क्या आपका वहां कोई निवेश होगा?

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- नहीं, हमारा वहां कोई निवेश नहीं है।

- **सुश्री माहरुख अदजानिया - एलारा कैपिटल**

- ठीक है, सर। शुक्रिया।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- आपको धन्यवाद।

- **संचालक**

- आपको धन्यवाद। वह आखिरी सवाल था। अब मैं इस सम्मेलन पर दो शब्द बोलने के लिए मंच प्रबंधन को सौंपना चाहूंगा।

- **श्री आर एस ढिल्लों - अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन**

- इस अवसर के लिए धन्यवाद। हमारे शानदार परिणाम रहे हैं। और आगे भी पीएफसी अच्छे परिणाम दे रहा है। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

- **संचालक**

- धन्यवाद। प्रभुदास लीलाधर प्राइवेट लिमिटेड इस सम्मेलन का समापन करता है। हमसे जुड़ने के लिए धन्यवाद।